



06 Feb 2026

09:10 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121227002

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 06/02/2026
दिन _____: शुक्रवार
जन्म समय _____: 21:10:00 घंटे
इष्ट _____: 35:08:28 घटी
स्थान _____: Delhi
देश _____: India

अक्षांश _____: 28:39:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 20:48:52 घंटे
वेलान्तर _____: -00:14:03 घंटे
साम्पातिक काल _____: 05:56:01 घंटे
सूर्योदय _____: 07:06:36 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:04:09 घंटे
दिनमान _____: 10:57:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शिशिर
सूर्य के अंश _____: 23:37:57 मकर
लग्न के अंश _____: 04:54:02 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: कन्या - बुध
राशि-स्वामी _____: कन्या - बुध
नक्षत्र-चरण _____: हस्त - 4
नक्षत्र स्वामी _____: चन्द्र
योग _____: धृति
करण _____: तैतिल
गण _____: देव
योनि _____: महिष
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: वैश्य
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: श्वान
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: भूमि
जन्म नामाक्षर _____: ठ-ठकुर
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: कुम्भ

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 1 वर्ष 3 मास 1 दिन

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
06/02/2026	11/05/2027	10/05/2034	10/05/2052	10/05/2068
11/05/2027	10/05/2034	10/05/2052	10/05/2068	11/05/2087
00/00/0000	मंगल 07/10/2027	राहु 21/01/2037	गुरु 28/06/2054	शनि 14/05/2071
00/00/0000	राहु 24/10/2028	गुरु 16/06/2039	शनि 08/01/2057	बुध 21/01/2074
00/00/0000	गुरु 30/09/2029	शनि 22/04/2042	बुध 16/04/2059	केतु 02/03/2075
00/00/0000	शनि 09/11/2030	बुध 09/11/2044	केतु 22/03/2060	शुक्र 01/05/2078
00/00/0000	बुध 06/11/2031	केतु 27/11/2045	शुक्र 21/11/2062	सूर्य 13/04/2079
00/00/0000	केतु 03/04/2032	शुक्र 27/11/2048	सूर्य 09/09/2063	चंद्र 12/11/2080
06/02/2026	शुक्र 04/06/2033	सूर्य 22/10/2049	चंद्र 08/01/2065	मंगल 21/12/2081
शुक्र 09/11/2026	सूर्य 09/10/2033	चंद्र 22/04/2051	मंगल 15/12/2065	राहु 27/10/2084
सूर्य 11/05/2027	चंद्र 10/05/2034	मंगल 10/05/2052	राहु 10/05/2068	गुरु 11/05/2087

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
11/05/2087	11/05/2104	12/05/2111	12/05/2131	11/05/2137
11/05/2104	12/05/2111	12/05/2131	11/05/2137	00/00/0000
बुध 06/10/2089	केतु 07/10/2104	शुक्र 10/09/2114	सूर्य 29/08/2131	चंद्र 12/03/2138
केतु 04/10/2090	शुक्र 07/12/2105	सूर्य 10/09/2115	चंद्र 28/02/2132	मंगल 11/10/2138
शुक्र 03/08/2093	सूर्य 14/04/2106	चंद्र 11/05/2117	मंगल 05/07/2132	राहु 10/04/2140
सूर्य 10/06/2094	चंद्र 13/11/2106	मंगल 11/07/2118	राहु 29/05/2133	गुरु 10/08/2141
चंद्र 09/11/2095	मंगल 11/04/2107	राहु 11/07/2121	गुरु 18/03/2134	शनि 12/03/2143
मंगल 06/11/2096	राहु 29/04/2108	गुरु 11/03/2124	शनि 28/02/2135	बुध 10/08/2144
राहु 26/05/2099	गुरु 05/04/2109	शनि 12/05/2127	बुध 04/01/2136	केतु 11/03/2145
गुरु 01/09/2101	शनि 14/05/2110	बुध 12/03/2130	केतु 11/05/2136	शुक्र 07/02/2146
शनि 11/05/2104	बुध 12/05/2111	केतु 12/05/2131	शुक्र 11/05/2137	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशों के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 1 वर्ष 3 मा 7 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृत्ति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृत्ति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्यों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते हैं। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेंगे। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृत्ति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखें आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखें एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक् प्रवृत्ति के प्राणी हैं तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृत्ति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किंचित लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरुष हैं। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रियात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरुद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत्त हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृत्ति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करें। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार हैं। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं हैं। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करें।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग हैं। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।